collegebatch.com

SET-1

Series AABB2/4

प्रश्न-पत्र कोड
Q.P. Code **58/4/1**

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।
Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।
- Please check that this question paper contains **11** printed pages.
- Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- Please check that this question paper contains **13** questions.
- **Please write down the serial number of the question in the answer-book before attempting it.**
- 15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

अर्थशास्त्र

ECONOMICS

निर्धारित समय : 2 घण्टे — *अधिकतम अंक : 40*

Time allowed : 2 hours — *Maximum Marks : 40*

collegebatch.com

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से पालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **13** प्रश्न हैं ।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक अंकित किए गए हैं ।*

(iii) *इस प्रश्न-पत्र में **2** अंकों के **5** प्रश्न, **3** अंकों के **5** प्रश्न तथा **5** अंकों के **3** प्रश्न हैं ।*

(iv) ***2*** *अंकों वाले प्रश्न लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं तथा इनके उत्तर **30 – 50** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

(v) ***3*** *अंकों वाले प्रश्न भी लघु-उत्तरीय प्रश्न हैं तथा इनके उत्तर **50 – 80** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

(vi) ***5*** *अंकों वाले प्रश्न दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न हैं तथा इनके उत्तर **80 – 120** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं है । हालाँकि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किए गए हैं । परीक्षार्थी ऐसे प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दें ।*

(viii) *इस प्रश्न-पत्र में केस/स्रोत आधारित प्रश्न भी है ।*

1. (क) उपभोग वस्तुओं तथा पूँजीगत वस्तुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए । *2*

अथवा

(ख) मान्य कारणों द्वारा, निम्नलिखित को स्टॉक व प्रवाह चरों में वर्गीकृत कीजिए : *2*

(i) 31 मार्च, 2021 को भारत की जनसंख्या

(ii) वित्तीय वर्ष 2020 – 21 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की घरेलू आय

2. (क) यह दिया गया है कि एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था का उपभोग फलन, $C = 100 + 0{\cdot}8\ Y$ है, जहाँ C = उपभोग तथा Y = आय ।

गणना कीजिए : *2*

(i) सीमांत बचत प्रवृत्ति (MPS) का मूल्य

(ii) लाभ-अलाभ बिन्दु (Break-Even Point) पर आय का स्तर

अथवा

(ख) $S = -\,60 + 0{\cdot}1\ Y$, बचत फलन है, जहाँ S = बचत व Y = राष्ट्रीय आय तथा अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय (I) = ₹ 4,000 करोड़ है ।

आय के संतुलन स्तर (Equilibrium level) की गणना कीजिए । *2*

collegebatch.com

General Instructions :

Read the following instructions very carefully and strictly follow them :

(i) *This question paper contains **13** questions.*

(ii) ***All** questions are compulsory. Marks are indicated against each question.*

(iii) *This question paper contains **5** questions of **2** marks each, **5** questions of **3** marks each and **3** questions of **5** marks each.*

(iv) ***2** marks questions are Short Answer Type Questions and are to be answered in **30 – 50** words each.*

(v) ***3** marks questions are also Short Answer Type Questions and are to be answered in **50 – 80** words each.*

(vi) ***5** marks questions are Long Answer Type Questions and are to be answered in **80 – 120** words each.*

(vii) *There is no overall choice in the question paper. However, internal choices have been provided in few questions. The candidates need to attempt only one question from such questions.*

(viii) *This question paper contains Case/Source Based Question also.*

1. (a) Distinguish between Consumption goods and Capital goods. *2*

OR

(b) Giving valid reasons, classify the following into stock and flow variables : *2*

(i) Population of India as on 31st March, 2021

(ii) Domestic Income of Indian Economy during the fiscal year 2020 – 21

2. (a) You are given the consumption function of an imaginary economy, C = 100 + 0·8 Y, where C = Consumption and Y = Income.

Calculate : *2*

(i) The value of Marginal Propensity to Save (MPS)

(ii) The level of income at Break-Even Point

OR

(b) S = – 60 + 0·1 Y is the saving function, where S is Saving and Y is National Income and Investment Expenditure (I) is ₹ 4,000 crore in an economy.

Calculate the Equilibrium level of Income. *2*

collegebatch.com

3. (क) यदि किसी अर्थव्यवस्था में नियोजित बचत, नियोजित निवेश से अधिक है, तो इसका उत्पादन व रोज़गार पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का उल्लेख कीजिए । *2*

अथवा

(ख) यदि किसी अर्थव्यवस्था में नियोजित बचत, नियोजित निवेश से कम है, तो इसका उत्पादन व रोज़गार पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का उल्लेख कीजिए । *2*

4. "औपचारिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की अपेक्षा अधिक आय अर्जित करते हैं ।"
दिए गए कथन का मान्य तर्कों द्वारा समर्थन/खंडन कीजिए । *2*

5. "भारत में आर्थिक विकास पर्यावरणीय समस्याओं की उत्पत्ति के साथ हुआ है ।"
क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर का मान्य तर्कों द्वारा समर्थन कीजिए । *2*

6. "1970 के दशक के अंत में, भारत की अपेक्षा चीन की जनसंख्या में तेजी से गिरावट आयी थी ।"
इस परिस्थिति के कारण व प्रभाव को स्पष्ट कीजिए । *3*

7. नीचे दिए गए आँकड़ों से, भारत में कार्यबल के स्थितिवार वितरण की तुलना व विश्लेषण कीजिए : *3*

रोज़गार पैटर्न में प्रवृत्तियाँ (स्थितिवार) (% में)
(1972 – 73 तथा 2011 – 12)

स्थिति \ वर्ष	1972 – 73	2011 – 12
स्व-नियोजित	61·4	52
नियमित वेतनभोगी कर्मचारी	15·4	18
अनियमित मज़दूर	23·2	30
कुल	100	100

8. भारत और पाकिस्तान द्वारा अपनाई गई किन्हीं दो समान विकासात्मक रणनीतियों की संक्षिप्त विवेचना कीजिए । *3*

collegebatch.com

3. (a) If planned savings exceed planned investments in an economy, state its likely impact on output and employment. *2*

OR

(b) If planned savings fall short of planned investments in an economy, state its likely impact on output and employment. *2*

4. "Workers working in formal sector earn more than those in the informal sector."
Defend or refute the given statement with valid arguments. *2*

5. "Economic development in India has been accompanied by environmental concerns."
Do you agree with the given statement ? Give valid reasons in support of your answer. *2*

6. "In the late 1970s, China's population growth rate had sharply declined as compared to India."
Elucidate the reason and impact of this situation. *3*

7. From the data given below, compare and analyse the status-wise distribution of workforce in India : *3*

Trends in Employment Pattern (Status-wise) (in %)
1972 – 73 and 2011 – 12

Status \ Year	1972 – 73	2011 – 12
Self-Employed	61·4	52
Regular Salaried Employees	15·4	18
Casual Wage Workers	23·2	30
Total	100	100

8. Discuss briefly any two similar development strategies followed by India and Pakistan. *3*

collegebatch.com

9. (क) आय के चक्रीय (वर्तुल) प्रवाह के विभिन्न चरणों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । *3*

अथवा

(ख) यदि किसी अर्थव्यवस्था में, वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (Real GDP) ₹ 300 करोड़ व मूल्य सूचकांक (आधार = 100) 110 है, तो मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद (Nominal GDP) की गणना कीजिए । *3*

10. यह मानते हुए कि, निवेश में परिवर्तन (ΔI) = ₹ 4,000 करोड़ तथा सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (MPC) = 0·5 है, निवेश गुणक (K) की कार्य प्रक्रिया की संक्षेप में विवेचना कीजिए । *3*

11. अल्प माँग की अवधारणा की व्याख्या कीजिए । अल्प माँग की स्थिति को ठीक करने में सरकारी व्यय नीति किस प्रकार सहायक हो सकती है ? *5*

12. (क) निम्नलिखित आँकड़ों से दर्शाइए कि राष्ट्रीय आय, आय विधि व व्यय विधि दोनों से समान होती है : *5*

क्रम संख्या	मदें	राशि (₹ करोड़ में)
(i)	शुद्ध निर्यात	(–) 60
(ii)	शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	150
(iii)	प्रचालन अधिशेष	740
(iv)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	1,400
(v)	विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय	40
(vi)	स्व-नियोजितों की मिश्रित आय	1,000
(vii)	शुद्ध घरेलू स्थायी पूँजी निर्माण	500
(viii)	स्टॉक में परिवर्तन	(–) 100
(ix)	मूल्यह्रास	100
(x)	निजी अंतिम उपभोग व्यय	2,000
(xi)	सरकारी अंतिम उपभोग व्यय	1,000

अथवा

collegebatch.com

9. (a) Briefly explain the different phases of circular flow of income. *3*

OR

(b) In an economy, if the Real Gross Domestic Product (GDP) is ₹ 300 crore and Price Index (with base = 100) is 110, calculate the Nominal Gross Domestic Product. *3*

10. Discuss briefly the working process of investment multiplier (K), assuming that Change in Investment (ΔI) is ₹ 4,000 crore and Marginal Propensity to Consume (MPC) is 0·5. *3*

11. Explain the concept of deficient demand. How can government spending policy be helpful in correcting the situation of deficient demand ? *5*

12. (a) From the following data, show that the National Income will be same from both Income Method and Expenditure Method : *5*

S. No.	Items	Amount (in ₹ crore)
(i)	Net Exports	(–) 60
(ii)	Net Indirect Taxes	150
(iii)	Operating Surplus	740
(iv)	Compensation of Employees	1,400
(v)	Net Factor Income from Abroad	40
(vi)	Mixed Income of Self-Employed	1,000
(vii)	Net Domestic Fixed Capital Formation	500
(viii)	Change in Stock	(–) 100
(ix)	Depreciation	100
(x)	Private Final Consumption Expenditure	2,000
(xi)	Government Final Consumption Expenditure	1,000

OR

collegebatch.com

(ख) (i) निम्नलिखित आँकड़ों से प्रचालन अधिशेष की गणना कीजिए : *2*

क्रम संख्या	मदें	राशि (₹ करोड़ में)
(i)	कर्मचारियों का पारिश्रमिक	300
(ii)	अप्रत्यक्ष कर	200
(iii)	स्थायी पूँजी का उपभोग	100
(iv)	उपदान	50
(v)	साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP_{fc})	650

(ii) विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय के तीन मुख्य घटकों का संक्षेप में उल्लेख व चर्चा कीजिए । *3*

केस/स्रोत आधारित प्रश्न

निम्नलिखित गद्य को ध्यानपूर्वक पढ़िए । दिए गए गद्य व सामान्य विवेक के आधार पर प्रश्न संख्या ***13 (क)*** *व* ***13 (ख)*** *के उत्तर दीजिए :*

जर्मनी के सहयोग से विकसित नीति आयोग सूचकांक, 77 सतत विकास लक्ष्य संकेतकों (SDG indicators) पर 56 शहरी क्षेत्रों को रैंक करता है । सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के स्थानीयकरण की यात्रा में तथा सभी स्तरों पर SDGs की प्रगति निगरानी प्रणाली स्थापित करने के लिए नीति आयोग ने 2021 – 22 में SDG शहरी सूचकांक व डैशबोर्ड विकसित किया है ।

यह सूचकांक विभिन्न शहरों के स्तर पर SDG स्थानीयकरण तथा संस्थान की निगरानी को सुदृढ़ करेगा । नीति आयोग के अनुसार, यह सूचकांक आँकड़ों की निगरानी तथा रिपोर्टिंग प्रणालियों की खूबियों व कमियों पर प्रकाश डालता है । इस सूचकांक में प्रयुक्त उपकरण एक ऐसे पारिस्थितिक तंत्र का निर्माण करेंगे जिसमें सभी हितधारकों को आँकड़ों के आधार पर निर्णय लेने व लागू करने में सहायता मिलेगी ।

नीति आयोग का मानना है कि भारत में विकास के भविष्य की रूपरेखा तैयार करने में हमारे शहरों व शहरी क्षेत्रों की बढ़ती प्रमुखता के मद्देनज़र यह परिवर्तन काफी आवश्यक है । इस सूचकांक में सम्मिलित 56 शहरी क्षेत्रों में से 44 शहर एक मिलियन से अधिक आबादी वाले शहर हैं ।

(b) (i) Calculate the operating surplus from the following data : *2*

S. No.	Items	Amount (in ₹ crore)
(i)	Compensation of Employees	300
(ii)	Indirect Taxes	200
(iii)	Consumption of Fixed Capital	100
(iv)	Subsidies	50
(v)	Gross Domestic Product at Factor Cost (GDP_{fc})	650

(ii) State and discuss briefly the three main components of Net Factor Income from Abroad. *3*

Case/Source Based Question

Read the following text carefully. Answer questions number ***13 (a)*** *and* ***13 (b)*** *on the basis of the given text and common understanding :*

The NITI Aayog Index developed in collaboration with German cooperation, ranks 56 urban areas on 77 Sustainable Developmental Goals (SDGs) indicators. In its journey of localization of the Sustainable Development Goals (SDGs) and creating SDG's progress monitoring system at all levels, the NITI Aayog has developed the SDG Urban Index and Dashboard in 2021 – 22.

The index will strengthen SDG localization and institute monitoring at the various cities level. According to the NITI Aayog, this index highlights the strengths and gaps of data monitoring and reporting systems. The tools used in the index will contribute to the creation of an ecological system in which all stakeholders will be equipped to adopt and implement data-driven decision-making.

The NITI Aayog is of the view that this transformative change is quite essential, given the increasing prominence of our cities and urban areas in charting the future of development in India. Out of 56 urban areas ranked in the index, 44 are with population above one million.

collegebatch.com

नीति आयोग के अनुसार प्रत्येक SDG के लिए शहरी क्षेत्रों को 0 – 100 के पैमाने पर मापा गया है । सौ के स्तर का अर्थ है कि चयनित क्षेत्रों ने 2030 के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति कर ली है । शून्य के स्कोर का अर्थ है कि चयनित शहरी क्षेत्र सर्वोत्तम स्तर प्राप्त करने से सबसे दूर है । 0 – 49 के स्कोर प्राप्त करने वाले शहरों को आकांक्षी स्तर के रूप में रखा गया है, 50 – 64 वाले शहरों को परफोर्मर कहा गया है, 66 – 99 शहरों को फ्रंट-रनर व 100 स्कोर वाले शहरों को अचीवर्स कहा गया है ।

स्रोत : The Economic Times; November 23, 2021 (Modified)

13. (क) सतत विकास प्राप्त करने में नीति आयोग सूचकांक द्वारा शामिल किन्हीं दो चरणों की व्याख्या कीजिए । *2*

(ख) "शहरी क्षेत्रों को 0 – 100 के पैमाने पर मापा जाएगा ।"

नीति आयोग द्वारा अपनाई गई रैंकिंग प्रणाली की व्याख्या कीजिए । *3*

collegebatch.com

As per the NITI Aayog, for each SDG the urban areas are ranked on the scale of 0 – 100. A score of 100 implies that the urban area has achieved the targets set for 2030. A zero score implies that it is the farthest from achieving the target among the selected urban areas. The areas with score between 0 and 49 have been ranked as aspirants, those with 50 – 64 are termed as performers, 66 – 99 are called front-runners and ones with perfect score are called achievers.

Source : The Economic Times; November 23, 2021 (Modified)

13. (a) Outline any two steps involved by the NITI Aayog index in attaining sustainable development. *2*

(b) "Urban areas are ranked on the scale of 0 – 100."

Elucidate the ranking system adopted by the NITI Aayog. *3*